भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2293

जिसका उत्तर शुक्रवार, 1 अगस्त, 2025/10 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है।

आरएफसीएल की उर्वरक उत्पादन क्षमता

2293. श्री वामसि कृष्णा गद्दाम:

क्या **रसायन और उर्वरक मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) में नीम-लेपित प्रिल्ड यूरिया के उत्पादन का ब्यौरा क्या है और पिछले तीन वर्षों तथा चालू वित्त वर्ष के दौरान प्राप्त क्षमता उपयोग प्रतिशत क्या है;

(ख) तेलंगाना के पेड्डापल्ली और आसपास के जिलों में किसानों को आरएफसीएल द्वारा उत्पादित उर्वरकों के लिए विशिष्ट आवंटन तंत्र और समय पर उपलब्धता हेतु वितरण रणनीति क्या है;

(ग) आरएफसीएल की उत्पादन क्षमता को वर्तमान स्तर से आगे बढ़ाने के लिए सरकार का रोडमैप क्या है और इष्टतम क्षमता उपयोग प्राप्त करने हेतु समय-सीमा क्या है;

(घ) उत्तरी तेलंगाना में आरएफसीएल से कृषि क्षेत्रों में उर्वरक वितरण को प्रभावित करने वाली आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं को दूर करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(ड.) आरएफसीएल सुविधा के आधुनिकीकरण और तकनीकी उन्नयन के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है और क्षेत्रीय कृषि मांग को पूरा करने पर इसका क्या प्रभाव अपेक्षित है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान रामागुंडम फटलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) में नीम-लेपित यूरिया का उत्पादन विवरण और क्षमता उपयोग का प्रतिशत निम्नानुसार है:-

वर्ष 2022-23 से वर्ष 2025-26 (जून 2025 तक) के दौरान नीम-लेपित यूरिया का उत्पादन और क्षमता उपयोग (%)				
वर्ष	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**	**2025-26 (जून 2025 तक)**
कुल उत्पादन (आंकड़े '000 मीट्रिक टन में)	840.9	1111.9	1195.4	183.8
क्षमता उपयोग (%)	66.21	87.55	94.13	57.89

(ख): उर्वरक विभाग द्वारा आपूर्ति योजना के अनुमोदन के बाद, तेलंगाना के जिलों में उर्वरकों के आबंटन/वितरण का पूर्णतः प्रबंधन कृषि विभाग, तेलंगाना सरकार द्वारा किया जाता है। विभाग निम्नलिखित आधार पर आवंटन करता है:

i. बिक्री केन्द्र (PoS) स्तर पर उर्वरकों की उपलब्धता, अर्थात् किसानों को वितरण के लिए खुदरा विक्रेता के पास उपलब्ध वास्तविक भंडार।
ii. विशेष जिले के औसत उपभोग पैटर्न को ध्यान में रखा गया तथा संस्थान और निजी निकायों दोनों में बफर बनाए रखा गया।
iii. सभी क्षेत्रों के किसानों को समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, आगामी माह के लिए अनुमानित आवश्यकताएं।

(ग): अमोनिया संयंत्र में लाइसेंसकर्ता एचटीईआर (हैल्डोर टॉपसो एक्सचेंज रिफॉर्मर) के स्वामित्व का उपस्कर वर्तमान में व्यापक मरम्मत कार्य के कारण सेवा में नहीं है। परिणामस्वरूप, संयंत्र को उसकी क्षमता के लगभग 92% कम भार पर संचालित किया जा रहा है। हालाँकि, एचटीईआर की सफल मरम्मत के बाद, संयंत्र के इष्टतम क्षमता पर संचालित होने की उम्मीद है, जिसके लिए इस मुद्दे पर लाइसेंसकर्ता के साथ चर्चा की गई है।

(घ): आरएफसीएल से यूरिया के वितरण की आपूर्ति श्रृंखला को उत्तरी तेलंगाना के सभी छोटे और बड़े रेक पॉइंट्स पर हैंडलिंग और परिवहन सुविधाओं के प्रावधान के साथ सुदृढ़ किया गया है, जिसका समन्वय एनएफएल मार्केटिंग टीम द्वारा किया जा रहा है। रेलवे की भीड़भाड़ और बड़े रेक पॉइंट्स पर बुनियादी ढाँचे की समस्याओं जैसी बाधाओं को शीघ्र दूर किया गया, रेकों को उन्हीं निकटतम छोटे रेक पॉइंट्स पर भेज दिया गया जिनसे उन्हीं जिलों की उर्वरक आवश्यकताएं पूरी होती हैं। ज़रूरत पड़ने पर पेद्दापल्ली और जगतियाल में रेक लगाए गए। पिछले दो वर्षों की अवधि में अकेले पेद्दापल्ली रेक पॉइंट के माध्यम से लगभग 2,68,568.10 मीट्रिक टन की आपूर्ति की गई। संस्थानों और निजी दोनों पक्षों को सड़क मार्ग से भी यूरिया की आपूर्ति की गई और ज़रूरत पड़ने पर आपूर्ति को पूरा करने के लिए इसे एक प्रभावी उपाय के रूप में इस्तेमाल किया गया।

(ङ.): आरएफसीएल सुविधा केन्द्र के आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकीय उन्नयन के लिए कोई निधि आबंटित नहीं की गई है।

******